नवभारत

भोपाल, गुरुवार 23 अप्रैल, 2026

दिनदहाड़े 'हरित हत्या' और जिम्मेदारों की गहरी नींद!

खास बातें

- शमशाबाद-लटेरी मार्ग पर सागौन का सफाया
- फोन तक नहीं उठाते अधिकारी

नवभारत न्यूज

विदिशा 22 अप्रैल, एक तरफ सरकारें हरियाली बचाने के नाम पर करोड़ों रुपये के अभियान चला रही हैं, तो दूसरी ओर शमशाबाद-लटेरी मार्ग का जंगल लकड़ी माफियाओं के लिए खुला मैदान बनता जा रहा है. यहां सागौन जैसे बहुमूल्य वृक्षों की सैकड़ों की संख्या में दिनदहाड़े कटाई हो रही है, और हैरानी की बात यह है कि इस पूरे घटनाक्रम पर जिम्मेदार तंत्र गहरी नींद में सोता नजर आ रहा है. स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कई दिनों से जंगल में लगातार पेड़ों की कटाई जारी है. भारी मशीनों और ट्रैक्टरों के जरिए लकड़ी को खुलेआम ले जाया जा रहा है, मानो किसी ने इस अवैध कारोबार को मौन स्वीकृति दे दी हो. ग्रामीणों ने जब इस गंभीर मामले की जानकारी संबंधित वन विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों को देने की कोशिश की, तो उन्हें निराशा ही हाथ लगी—कई बार फोन करने के बावजूद न तो कॉल उठाए गए और न ही कोई कार्रवाई होती दिखाई दी. यह स्थिति कई सवाल खड़े करती है। क्या जंगलों की सुरक्षा अब सिर्फ कागजी दावों और फाइलों तक सीमित रह गई है? क्या जिम्मेदार अधिकारी इतने बेखबर हैं कि उन्हें अपने ही क्षेत्र में हो रही इस खुलेआम लूट की भनक तक नहीं? या फिर यह सब कुछ जानते-बूझते हुए भी अनदेखा किया जा रहा है. यदि वन विभाग की यही उदासीनता बनी रही, तो वह दिन दूर नहीं जब यह पूरा इलाका बंजर जमीन में तब्दील हो जाएगा.

हैदरगढ़- बागरोद में सागौन का सफाया जिम्मेदारों पर उठे सवाल

इसी तरह जिले के हैदरगढ़ और बागरोद क्षेत्र के सागौन जंगलों में इन दिनों अवैध कटाई का सिलसिला तेजी से जारी है. जानकारी के अनुसार यहां सैकड़ों की संख्या में कीमती सागौन के पेड़ काटे जा चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक कोई ठोस कार्रवाई करता नजर नहीं आ रहा है. इन इलाकों में हो रही अवैध सागौर की कटाई और उसकी तस्करी के वीडियो भी सामने आ चुके हैं लेकिन इसके बाद भी किसी पर कोई कार्यवाही नहीं हुई वहीं कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. जिनका न तो नाम मालूम चल सका और न ही पता मालूम चला. स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जंगल में लंबे समय से लकड़ी माफिया सक्रिय हैं, जो दिन-रात पेड़ों की कटाई कर रहे हैं. ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य साधनों से लकड़ी को खुलेआम बाहर ले जाया जा रहा है, मानो उन्हें किसी का भय ही न हो। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे मामले की जानकारी अधिकारियों तक पहुंचाने के प्रयास भी बेअसर साबित हो रहे हैं. ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो मौके पर निरीक्षण हुआ और न ही किसी प्रकार की सख्ती दिखाई गई. इससे साफ जाहिर होता है कि या तो जिम्मेदार इस पूरे मामले से अनजान हैं, या फिर जानबूझकर आंखें मूंदे बैठे हैं. पर्यावरण के लिहाज से यह स्थिति बेहद चिंताजनक है. सागौन जैसे बहुमूल्य पेड़ों की अंधाधुंध कटाई न केवल जंगलों को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि क्षेत्र के पर्यावरण संतुलन पर भी गंभीर असर डाल रही है. इस मामले में वन विभाग के डीएफओ हेमंत यादस से संपर्क करने के लिए फोन लगाया गया लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया.

जैतपुरा सोसाइटी में 22 ट्रॉली चना रिजेक्ट, भड़के किसान

- दो दिन में समाधान नहीं तो भूख हड़ताल की चेतावनी

नवभारत न्यूज

विदिशा 22 अप्रैल, जिले के अहमदपुर ब्लॉक स्थित जैतपुरा सोसाइटी में किसानों के साथ कथित अनियमितता का बड़ा मामला सामने आया है. यहां एक साथ 22 ट्रॉली चने को रिजेक्ट कर दिए जाने से किसानों में भारी आक्रोश पनप गया. खास बात यह रही कि जिन सैंपलों को एक दिन पहले पास कर तौल किया गया था, उन्हीं सैंपलों को अगले दिन अमान्य बताकर खारिज कर दिया गया.

इस मनमानी के विरोध में किसानों ने मौके पर प्रदर्शन किया. मामले की जानकारी मिलते ही किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनीत सिंह दांगी मौके पर पहुंचे. इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारी और पुलिस प्रशासन भी उपस्थित रहा. दांगी ने किसानों की समस्याएं सुनीं और तत्काल समाधान के लिए अधिकारियों व सोसाइटी प्रबंधन से चर्चा की. मौके पर ही दोबारा सैंपलिंग कराई गई, जिसमें प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं सामने आई। जांच के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि संबंधित उपार्जन केंद्र पर अधिकृत सर्वेयर की अनुपस्थिति में सैंपलिंग कार्य मनमाने तरीके से किया जा रहा था, जिससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है. निरीक्षण में उपार्जन केंद्र पर कई अन्य अव्यवस्थाएं भी पाई गईं. दांगी ने आरोप लगाया कि वर्तमान में किसानों को गेहूं, चना और मसूर खरीदी में अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. इनमें स्लॉट बुकिंग में देरी, सैटेलाइट सर्वे में फसल अमान्य घोषित होना, तेवड़ा बताकर सैंपल रिजेक्ट करना, तौल में देरी, बारदानों की कमी, सर्वर डाउन रहना और भुगतान में विलंब प्रमुख हैं. उन्होंने कहा कि समय पर खरीदी नहीं होने से किसान अपनी उपज औने-पौने दामों में बेचने को मजबूर हैं, जिससे आर्थिक नुकसान हो रहा है. साथ ही तौल में गड़बड़ी, परिवहन व्यवस्था की कमी और उपार्जन केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं का अभाव भी किसानों की परेशानी बढ़ा रहा है.

दांगी ने चेतावनी दी कि यदि दो दिन में समस्याओं का समाधान और मुआवजा नहीं दिया गया तो माधवगंज में किसानों के साथ भूख हड़ताल की जाएगी. इसके बाद भी न्याय नहीं मिलने पर विदिशा से भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास तक पदयात्रा कर ज्ञापन सौंपा जाएगा.

गुणसागर विद्या विहार में मेधावी विद्यार्थियों का भव्य सम्मान

नवभारत न्यूज

गुलाबगंज, गुलाबगंज स्थित गुणसागर विद्या विहार हायर सेकेंडरी स्कूल में मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया. कार्यक्रम में माध्यमिक शिक्षा मंडल के पूर्व सचिव के.डी. त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. विद्यालय का इस वर्ष परीक्षा परिणाम अत्यंत उत्कृष्ट रहा, जहां कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं में 100 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया. विशेष रूप से मुकबधिर छात्रा गीता ने 76 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सभी का ध्यान आकर्षित किया. कक्षा 5वीं में आयुष प्रजापति ने 91 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया. कक्षा 8वीं में अनुष्का डांगी ने 92.17 प्रतिशत अंक हासिल कर तहसील में शीर्ष स्थान पाया. वहीं कक्षा 10वीं में स्नेहा शर्मा ने 96.2 प्रतिशत अंक के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया. कार्यक्रम में विभिन्न अतिथियों ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. विद्यालय परिवार ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया.

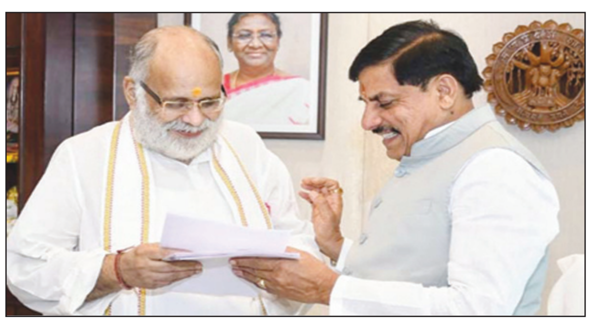

मुख्यमंत्री से की सिरोंज-लटेरी के विकास पर चर्चा

- विधायक उमाकांत शर्मा ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

नवभारत न्यूज

सिरोंज, विधायक उमाकांत शर्मा ने भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की. इस दौरान विधायक उन्होंने सिरोंज-लटेरी विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों और विशेष रूप से क्षेत्र के अन्नदाता किसानों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण एवं स्थानीय विषयों पर विस्तार से चर्चा की. इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी विषयों को गंभीरता से सुना और क्षेत्रीय विकास की दिशा में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया. इस दौरान विधायक श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री के सकारात्मक दृष्टिकोण और क्षेत्र की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के लिए उनका आभार जताया.

विधायक सूर्य प्रकाश मीणा के तेवर सख्त

- 7 दिन में समाधान नहीं हुआ तो सड़कों पर उतरने की चेतावनी

नवभारत न्यूज

नटेरन, जिले में इन दिनों किसानों को अपनी उपज की तौल न होने के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. कई दिनों से अलग-अलग तहसीलों में किसान आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका है. अब यह मुद्दा शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र तक पहुंच गया है, जहां विधायक सूर्य प्रकाश मीणा ने कहा कि किसानों की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो सड़क पर उतरने के कड़े तेवर दिखाए हैं. बुधवार को किसान संघ के तीन तहसीलों के अध्यक्षों ने विधायक से मुलाकात की और मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय कृषि मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा. किसानों ने बताया कि उपार्जन केंद्रों पर उनकी उपज की समय पर तौल नहीं हो रही है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान और परेशानी उठानी पड़ रही है.

विधायक सूर्य प्रकाश मीणा ने किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कहा कि यदि 7 दिन के भीतर उनकी उपज की तौल नहीं होती है, तो वे स्वयं किसानों के साथ सड़कों पर उतरेंगे. उन्होंने किसानों से भी अपील की कि वे अपने सभी काम छोड़कर आंदोलन के लिए तैयार रहें. विधायक मीणा ने यह भी कहा कि पहले जहां 20 अप्रैल तक उपार्जन का कार्य लगभग समाप्त हो जाता था, वहीं इस वर्ष अभी तक प्रक्रिया ठीक से शुरू भी नहीं हो पाई है. यह स्थिति किसानों के लिए चिंता का विषय है. उन्होंने आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को लेकर व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री से चर्चा करेंगे और जल्द समाधान निकालने का प्रयास करेंगे. किसानों में बढ़ते असंतोष को देखते हुए प्रशासन पर दबाव भी बढ़ता जा रहा है। यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो जिले में बड़े स्तर पर आंदोलन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता.

किसान आत्महत्या पर गरजे उमंग सिंघार निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

पीड़ित परिवार से मिले, एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता का ऐलान

नवभारत न्यूज

शमशाबाद. तहसील के ग्राम सांगुल में किसान आत्महत्या की घटना ने एक बार फिर प्रदेश की कृषि व्यवस्था और प्रशासनिक संवेदनहीनता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. घटना के बाद मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर शोक व्यक्त किया. उमंग सिंघार स्वर्गीय कालूराम जाट के निवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया. इस दौरान उन्होंने अपनी ओर से एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की. उन्होंने कहा कि एक किसान का अपनी ही जमीन और सम्मान के लिए संघर्ष करते-करते आत्महत्या जैसा कदम उठाना प्रशासनिक व्यवस्था की बड़ी विफलता को दर्शाता है. यह सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम पर गंभीर सवाल है. नेता प्रतिपक्ष ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराने, दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को जल्द न्याय दिलाने की मांग की. उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जिम्मेदारी तय करना जरूरी है.

मौके पर मौजूद एसडीएम अजय प्रताप सिंह को भी उन्होंने मामले की गंभीरता से जांच कर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए. सिंघार ने दोहराया कि वे पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं और न्याय मिलने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा. इस दौरान विदिशा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित रघुवंशी, प्रदेश सचिव मयंक तेनगुरिया, राजेन्द्र मंडलोई, राहुल राज, इंदर सिंह यादव आदि मौजूद थे.

मुफ्त योजनाओं से नहीं, काम से बनेगी मजबूती-रमेश भैया

भूदान आंदोलन की प्रेरणा से आत्मनिर्भर समाज की पैरवी

50 वर्षों से पदयात्रा के जरिए दे रहे जागरुकता का संदेश

नवभारत न्यूज

विदिशा, समाजसेवी रमेश भैया ने कहा है कि केवल मुफ्त योजनाओं के सहारे समाज को मजबूत नहीं बनाया जा सकता. उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि लोगों को सही अवसर और रोजगार उपलब्ध हों, तो वे स्वयं आत्मनिर्भर बन सकते हैं. उनका मानना है कि सरकारी सहायता पर अत्यधिक निर्भरता भविष्य के लिए चिंताजनक स्थिति पैदा कर सकती है.

रमेश भैया ने आचार्य विनोबा भावे के भूदान आंदोलन का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय लोगों को सिर्फ जमीन ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और आत्मबल भी मिला था. उन्होंने कहा कि आज उसी सोच को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है, ताकि समाज अपने दम पर खड़ा हो सके. भूदान यज्ञ की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर बिनोबा सेवा आश्रम बकतरा-शाहजहांपुर से जुड़े रमेश भैया ने अपने साथियों के साथ पवनार आश्रम से पोचमपल्ली तक पदयात्रा पूरी की. यह 'भूदान स्मृति विचार एवं सद्भावना यात्रा' 25 मार्च से 18 अप्रैल तक आयोजित की गई, जिसका समापन मंगलवार सुबह मोहन गिरी क्षेत्र स्थित माँ हॉस्पिटल परिसर में हुआ. उन्होंने बताया कि भूदान आंदोलन विश्व की एक अनूठी पहल रही, जिसमें पैदल यात्राओं के माध्यम से लगभग 45 लाख एकड़ भूमि दान में प्राप्त कर जरूरतमंदों में वितरित की गई. रमेश भैया स्वयं अब तक करीब 35 हजार किलोमीटर की पदयात्रा कर चुके हैं और पिछले 50 वर्षों से गांधी-विनोबा विचारधारा पर आधारित समाजसेवा में सक्रिय हैं. कार्यक्रम का आयोजन गांधी सुमिरन मंच एवं सर्वोदय मंडल विदिशा द्वारा किया गया. इस अवसर पर सुलखान सिंह हाड़ा, डॉ. सचिन रूपिका गर्ग, प्रो. के.के. पंजाबी, प्रो. अरविंद द्विवेदी और डॉ. राजेश बंसल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

एसडीएम को बताई किसानों की समस्याएं

किसानों ने मांगों को लेकर दिया ज्ञापन

किसानों की समस्याओं के निराकरण की मांग

नवभारत न्यूज

सिरोंज. क्षेत्र के किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर बुधवार को बड़ी संख्या में एकत्र होकर अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा. किसानों ने बताया कि वर्तमान समय में खेती-किसानी से जुड़े कार्यों में उन्हें लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

ज्ञापन में किसानों ने मांग की कि प्रति हेक्टेयर पर्याप्त मात्रा में डीएपी, यूरिया और पोटाश खाद समय पर उपलब्ध कराई जाए तथा नकली खाद और बीज बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए. साथ ही समर्थन मूल्य पर फसल खरीदी सुचारु रूप से शुरू करने, तुलाई में हो रही देरी रोकने और चना-मसूर खरीदी में मिश्रित दानों को स्वीकार करने की मांग रखी गई.

किसानों ने खरीदी केंद्रों पर पानी, छांव और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने, तुलाई में गड़बड़ी पर जिम्मेदारी तय करने और अधिकतम 7 दिन में भुगतान किसानों के खातों में जमा करने की मांग भी की. इसके अलावा सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली आपूर्ति, आगजनी से प्रभावित किसानों को मुआवजा, भूमि सीमांकन और अतिक्रमण प्रकरणों के शीघ्र निराकरण की भी मांग उठाई गई.

किसानों ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा. इस दौरान बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे.

लापरवाही | **पठारी स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल हकीकत, महिलाएं मजबूर—पुरुष डॉक्टर के सामने नहीं रख पातीं समस्या**

महिला डॉक्टर के बिना 'सुरक्षित प्रसव' का दावा खोखला

नर्सों के भरोसे डिलीवरी गंभीर मामलों में रास्ते में ही टूटती सांसें

नवभारत न्यूज

पठारी 22 अप्रैल, केंद्र और राज्य सरकारें स्वास्थ्य सेवाओं पर हर साल करोड़ों रुपये खर्च कर रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है. पठारी तहसील मुख्यालय स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में वर्षों से एक भी महिला डॉक्टर पदस्थ नहीं है. इसका सबसे बड़ा खामियाजा क्षेत्र की आधी आबादी—महिलाओं और युवतियों—को उठाना पड़ रहा है.

स्थिति यह है कि कई महिलाएं पुरुष डॉक्टर के सामने अपनी बीमारी खुलकर बता नहीं पातीं, जिसके कारण वे या तो अधूरा इलाज कराती हैं या इलाज से ही वंचित रह जाती हैं. पिछले एक दशक से महिलाएं महिला डॉक्टर की नियुक्ति का इंतजार कर रही हैं, लेकिन जिम्मेदारों की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई.

गरीबों के लिए इलाज 'दूर का सपना'

संपन्न परिवार तो विदिशा, भोपाल या सागर के निजी अस्पतालों में इलाज करा लेते हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र के गरीब किसान, मजदूर, आदिवासी और निम्न-मध्यम वर्ग की महिलाएं मजबूरी में इसी अव्यवस्थित व्यवस्था पर निर्भर हैं. तेज गर्मी के इस मौसम में अस्पताल में कूलर जैसी मूलभूत सुविधाएं तक नहीं हैं. न शिकायत दर्ज करने के लिए लेटर बॉक्स है और न ही निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे. प्रसव कराने वाली महिलाओं को इलाज के साथ-साथ इन परेशानियों से भी जूझना पड़ता है.

नर्सों के भरोसे प्रसव, जोखिम में मां-बच्चा

सरकार की महत्वाकांक्षी जननी सुरक्षा योजना के तहत संस्थागत प्रसव को बढ़ावा दिया जा रहा है. पठारी स्वास्थ्य केंद्र में भी प्रतिदिन कई प्रसव होते हैं, लेकिन महिला चिकित्सक के अभाव में यह पूरी व्यवस्था स्टाफ नर्सों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के भरोसे चल रही है. अनुभव के आधार पर कराए जा रहे प्रसव कई बार जोखिम भरे साबित होते हैं. जटिल स्थिति बनने पर महिलाओं को आनन-फानन में जिला अस्पताल या भोपाल-सागर रेफर किया जाता है. कई मामलों में समय पर इलाज न मिलने से रास्ते में ही महिलाओं की मौत तक हो जाती है. यह दर्द सिर्फ वही परिवार समझ सकता है, जो इस त्रासदी से गुजरता है.

शिशु रोग विशेषज्ञ भी नहीं

अस्पताल में शिशु रोग विशेषज्ञ की भी कमी है. ऐसे में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं को उचित चिकित्सा नहीं मिल पाती, जिससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा बना रहता है. जब अस्पताल में महिला डॉक्टर ही नहीं है, तो 'सुरक्षित संस्थागत प्रसव' का दावा कितना सही है? पठारी का यह स्वास्थ्य केंद्र आज भी मूलभूत सुविधाओं और विशेषज्ञ डॉक्टरों के अभाव में जूझ रहा है. अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या पर कब ध्यान देते हैं.

नटेरन में कांग्रेस का 'सद बुद्धियज्ञ', जन प्रतिनिधियों पर किसानों की अनदेखी का आरोप

नवभारत न्यूज

नटेरन, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नटेरन द्वारा किसानों की समस्याओं को लेकर सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन किया गया. इस दौरान क्षेत्र की वर्तमान सांसद, विधायक, कृषि मंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रतीकात्मक चित्र रखकर ईश्वर से उन्हें सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की गई. कार्यक्रम के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा, जिसमें किसानों की उपज की तौल में आ रही समस्याओं के निराकरण की मांग की गई. ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शरद शर्मा ने आरोप लगाया कि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सत्ता के नशे में किसानों की समस्याओं से दूर हैं. उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में कोई भी जनप्रतिनिधि किसानों के साथ खड़ा नजर नहीं आ रहा है. उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी. कार्यक्रम में क्षेत्र के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे.

:: जाहिर सूचना ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र दानिश अहमद कुरैशी मुझे एवं मेरी पत्नि को मानसिक एवं शारीरिक तौर से प्रताड़ित कर हमारे साथ दुर्व्यवहार करता है एवं उसका व्यवहार हमसे क्रूरतापूर्वक है।

अत: मैं रफीक अहमद कुरैशी और मेरी पत्नि अनवरी बेगम, निवासी निकासा, वार्ड नं. 07 विदिशा हम अपनी दोनों की समस्त चल व अचल संपत्ति से अपने पुत्र दानिश अहमद को आज दिनांक 21.04.2026 से बेदखल करते हैं, अब हमारा दानिश अहमद से कोई संबंध नहीं है तथा हमारी किसी भी प्रकार की कोई संपत्ति में दानिश अहमद का कोई हिस्सा नहीं रहेगा। तथा कभी भी वह नुकसान पहुंचा सकता है तथा इसके द्वारा किये गये कार्यों के लिये हम उत्तरदायी नहीं होंगे।

अत: सूचित हों।

विदिशा दिनांक : 22.4.2026

भवदीय,
रफीक अहमद कुरैशी पुत्र श्री मेहबूब बक्स कुरैशी, निवासी - निकासा रोड, दांतों वाली गली, विदिशा
मो.न. 9179167365